## एक नजर में

### स्कूली बच्चों को उपहार वितरित

**इंदौर.** लायंस क्लब इंदौर सिटी का कार्यक्रम शासकीय स्कूल में बच्चों के बीच मित्रता दिवस पर आयोजित. सेवा गतिविधि में बच्चों को जब पानी की बोतल, कॉपी, पेन उपहार में दिए तो उनकी खुशी देखकर सभी रोमांचित हो गए. विजय भारद्वाज को साधुवाद, जिन्होंने बच्चों में वितरण के लिए सामग्री उप्लब्ध कराई. वरिष्ठ सदस्य पीडीजी लायन एसपी नामदेव, झोन चेयरपर्सन लायन दिलीप माटा, क्लब अध्यक्ष नीतू असाटी, सचिव अमित गुप्ता, दिनेश कुमार रणधर, अशोक गुप्ता उपस्थित रहे.

### शक्ति पंप्स का पहली तिमाही में शानदार प्रदर्शन

**इंदौर.** शक्ति पंप्स ने 30 जून 2025 को समाप्त तिमाही के वित्तीय परिणाम घोषित किए. शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड के चेयरमैन श्री दिनेश पाटीदार ने कंपनी के प्रदर्शन पर कहा, वित्तीय वर्ष 2026 की मजबूत शुरुआत की घोषणा करते हुए हमें खुशी हो रही है, जो हमारे डाइवर्सिफाइड बिज़नेस मॉडल की ताकत को दिखाती है. इस तिमाही में हमारा प्रदर्शन सोलर पंप सेगमेंट में मजबूत निष्पादन, निरंतर निर्यात वृद्धि और क्षमता एवं तकनीक में दीर्घकालिक निवेश से प्रेरित रहा. हम पीएम-कुसुम योजना में लगभग 25% बाजार हिस्सेदारी के साथ प्रमुख भारतीय कृषि राज्यों में अग्रणी बने हुए हैं. हमारा निर्यात कारोबार पिछले चार वर्षों में लगभग 25% की दर से बढ़ते हुए एक प्रमुख विकास का कारणबना हुआ है. हैती, युगांडा, बांग्लादेश और नेपाल में सफल प्रोजेक्ट्स तथा अमेरिका, मध्य पूर्व और अफ्रीका से बढ़ती मांग के साथ, हमें इस गति को बनाए रखने की अपनी क्षमता पर पूरा भरोसा है. आगे बढ़ते हुए, हम वित्तीय वर्ष 2026 में 25-30% राजस्व वृद्धि देने और अगले 3-4 वर्षों में इस गति को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं.

### मध्यप्रदेश में अल्ट्राटेक का कम्युनिटी वाटरशेड प्रोजेक्ट

**इंदौर.** अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड ने मध्यप्रदेश के नीमच स्थित अपनी इंटीग्रेटेड सीमेंट मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट विक्रम सीमेंट वर्क्स द्वारा चलाए जा रहे कम्युनिटी वाटरशेड डेवलपमेंट प्रोग्राम से जैव विविधता के उत्साहजनक और आजीविका से जुड़े सकारात्मक परिणाम सामने आने की जानकारी दी है. जनवरी 2025 में नीमच ज़िले के चिताखेड़ा क्षेत्र में कराए गई एक बायो डाइवर्सिटी स्टडी से पता चला कि अल्ट्राटेक के वाटरशेड डेवलपमेंट प्रोग्राम के चलते क्षेत्र में पर्यावरण में सुधार उल्लेखनीय रूप से बढ़े हैं. विक्रम सीमेंट वर्क्स, अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड के यूनिट हेड अवासा मिश्रा ने कहा नीमच ज़िले के कुछ हिस्सों में जल संकट एक पुरानी समस्या रही है और एक ज़िम्मेदार कंपनी के रूप में अल्ट्राटेक स्थानीय लोगों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है. यह देखकर संतोष होता है कि वाटरशेड प्रोजेक्ट सम्बन्धी वर्षों की मेहनत रंग लाई है.

### केप्री ग्लोबल ने पहली तिमाही के परिणाम घोषित किए

**इंदौर.** जमा स्वीकार नहीं करने वाली और प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण एनबीएफसी केप्री ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड के निदेशक मंडल ने 30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही के अनऑडिटेड वित्तीय परिणाम घोषित किए. कंपनी का एयूएम 24,754 करोड़ रुपये तक पहुंचा, जो सालाना आधार पर 42% की वृद्धि है. डिस्बर्समेंट 8,458 करोड़ रुपये रहा, जिसमें 51% की साल दर साल वृद्धि हुई. वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 131% की रिकॉर्ड साल दस साल वृद्धि के साथ 175 करोड़ रुपये रहा. सीजीसीएल के संस्थापक और प्रबंध निदेशक राजेश शर्मा ने कहा हम कम पैठ वाले क्षेत्रों में मजबूत वृद्धि देख रहे हैं और हमारे विविधीकृत, सुरक्षित ऋण मॉडल के साथ हम दीर्घकालिक लाभप्रदता के लिए तैयार हैं.

### फलाहारी खिचड़ी का वितरण किया

**इंदौर.** नवरत्न बाग स्थित श्री विजय मारुति हनुमान मन्दिर में सावन का चौथा सोमवार धूमधाम के साथ मनाया गया. महंत मंगल दास महाराज खाकी ने बोल बम के उदघोष के साथ भोले का पंचामृत से अभिषेक किया. प्रवीण जोशी ने बताया कि फूलों से बाबा का भव्य श्रृंगार किया गया. शाम को महा आरती के साथ फलाहारी खिचड़ी प्रसाद का वितरण किया गया. इस मौके पर मीना राणा शाह, ललित परदेशी विशेष रूप से उपस्थित थे.

### कैलिफोर्निया बादाम के साथ स्वस्थ रक्षाबंधन मनाएं

**इंदौर.** रक्षाबंधन हमारे त्योहारों के मौसम की शुरुआत करता है और भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का उत्सव है. इस वर्ष, इस प्यार को सेहत की सौगात से और खास बनाएं ताकि आपका भाई या बहन हमेशा स्वस्थ, सफल और खुशहाल रहें. त्योहारों में अक्सर स्वादिष्ट पकवानों और मिठाइयों का आनंद लिया जाता है. इस रक्षाबंधन, कैलिफोर्निया बादाम को बनाएं अपने फेस्टिव डाइट का हिस्सा और खुशियों के साथ-साथ सेहत का भी करें स्वागत. मैक्स हेल्थकेयर, दिल्ली की रीजनल हेड-डायटीटिक्स रितिका समद्दार ने कहा, रक्षाबंधन जैसे त्योहारों में लोग अक्सर हेल्दी होने के बजाय जंक फूड का आनंद लेते हैं, जिससे उनकी सेहत और वजन पर असर पड़ता है। मैं चाहती हूं कि लोग त्योहारों को सोच-समझकर मनाएं और बादाम जैसे पौष्टिक विकल्प अपनाएं. बादाम जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और अस्वास्थ्यकर स्नैक्स का बेहतरीन विकल्प हैं.

### सिंगर गिनी ने नया गीत नादानी पेश किया

**इंदौर.** अपनी मधुर आवाज और भावपूर्ण स्टोरीटैलिंग के लिए मशहूर और उभरती हुई गायिका-गीतलेखिका, गिनी ने अपना नया गाना, नादानी पेश किया है. यह दर्दभरा गीत जीवन में कुछ खोने के बाद टूटे हुए दिल की कहानी सुना रहा है. आशियाँ, सुकून और आधे अधूरे जैसे गानों में आशा और खुशी पेश करने के बाद नादानी में दुख, पीड़ा, और हृदय के उफनते हुए भावों का शांत चित्रण है. नादानी आज सभी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर रिलीज़ हो गया है. गिनी ने कहा गिनी कुछ खोने और उसके कारण उत्पन्न हुई पीड़ा की कहानी है। अपने किसी प्रियजन को खोने, अभिभावकों में से किसी के गुजर जाने, या फिर प्रेमी के दूर चले जाने के बाद आप टूट से जाते हैं, और दिल में यही आस बची रह जाती है कि वो वापस लौट आएंगे. यह नादानी लग सकती है, लेकिन यह भावना सच्ची होती है. आप अच्छी तरह से जानते हैं कि आपको आगे बढ़ना है, लेकिन फिर भी आप उसी पल में ठहर जाते हैं.

### सौ शहरों में 'स्टीलएज महोत्सव' की शुरुआत

**इंदौर.** फिजिकल सिक्योरिटी सॉल्यूशंस के क्षेत्र में गुनेबो ब्रांड पिछले 90 वर्षों से भी अधिक समय से भारत में स्टीलएज और चबसेफ्स जैसे अपने प्रमुख ब्रांड्स के माध्यम से मैन्युफैक्चरिंग कर रहा है. कंपनी 1 अगस्त से 14 अगस्त तक अपना प्रमुख मार्केटिंग कैंपेन 'स्टीलएज महोत्सव' संचालित कर रही है. इस अभियान का उद्देश्य देशभर के ज्वेलर्स को बीआईएस और बीआईएस सर्टिफाइड सेफ्स, सर्टिफाइड स्ट्रॉन्ग रूम डोर्स और सर्टिफाइड वॉल्ट्स के बारे में जागरूक करना है. यह कैंपेन 100 से अधिक शहरों में चलाया जा रहा है, जो फिजिकल सिक्योरिटी सॉल्यूशंस इंडस्ट्री में अब तक के सबसे बड़े ऑन-ग्राउंड मार्केटिंग कैंपेन में से एक है. इस अभियान पर अपने विचार साझा करते हुए अनिर्बान मुखुति, हेड मार्केटिंग एंड प्रोडक्ट मैनेजमेंट, एशिया, गुनेबो सेफ स्टोरेज, ने कहा स्टीलएज महोत्सव एक पैन इंडिया कैंपेन है, जिसका उद्देश्य भारत के ज्वेलर्स समुदाय से जुड़कर उन्हें बीआईएस सर्टिफाइड फिजिकल सिक्योरिटी सॉल्यूशंस के प्रति जागरूक करना है.

### राष्ट्रीय सरसों दिवस पर फसल को सलाम

**इंदौर.** हर वर्ष अगस्त माह के पहले शनिवार को राष्ट्रीय सरसों दिवस मनाया जाता है. ऐसे में, यह समय है उस फसल को सलाम करने का, जो हमारी थाली का स्वाद भी है और गांव की तरक़्क़ी का अहम हिस्सा भी. खासतौर पर हाइब्रिड सरसों, जो आज किसानों की मेहनत, उत्पादन क्षमता और आत्मगौरव की पहचान बन चुकी है. राजस्थान, मध्यप्रदेश और हरियाणा की सरसों की खेती से लेकर देश के हर रसोईघर तक, हाइब्रिड सरसों ने तेलहन खेती का रूप ही बदल दिया है. पारंपरिक किस्मों की तुलना में यह 16-20% तक अधिक पैदावार देती है, तेल की मात्रा भी 2 से 2.5% तक अधिक होती है, और किसानों की सालाना शुद्ध आय में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होती है. हरियाणा के किसान देवेंद्र सिंह कहते हैं, मैं पिछले दस साल से हाइब्रिड सरसों की खेती कर रहा हूं क्योंकि इससे पैदावार ज़्यादा होती है और तिलहन की मात्रा और गुणवत्ता दोनों बेहतर मिलती हैं. हाइब्रिड अपनाने से जो अतिरिक्त आमदनी हुई, उससे मैंने ट्रैक्टर खरीदा, बच्चों को अच्छे स्कूल में दाख़िला दिलाया, और घर में कई तरह के सुधार किए.

# संकल्प और सहभागिता से असंभव भी संभव बनाते महापौर

▶ नवाचार और आधुनिकता को अपनाने में हमेशा आगे इंदौर

नव भारत न्यूज

**इंदौर. भारत के शहरों में कोई एक शहर सतत नवाचार, सुशासन और जनभागीदारी का प्रतीक बनकर उभरा है, तो वह है इंदौर. इंदौर शहर ने स्वच्छता को आदत, नवाचार को संस्कार और विकास को साझा संकल्प में बदल दिया है.**

पिछले तीन वर्षों में इंदौर नगर निगम ने यह दिखाया है कि स्थानीय शासन भी नीतिगत दूरदृष्टि और संकल्प के साथ राष्ट्रीय परिवर्तन का प्रतिबिंब बन सकता है. यह महापौर पुष्यमित्र भार्गव के नेतृत्व में इंदौर की विकास यात्रा आगे बढ़ती जा रही है, वह सिर्फ योजनाओं की श्रृंखला नहीं, बल्कि आधुनिक बदलाव के मार्ग को प्रशस्त कर रही है. नगर निगम द्वारा ग्रीन बॉन्ड के द्वारा 244 करोड़ रुपए की पूंजी एकत्र कर सोलर प्लांट स्थापित करना, प्रशासनिक वित्तीय विवेक का अद्वितीय उदाहरण है. इससे न केवल हरित ऊर्जा को बढ़ावा मिला, बल्कि जल प्रदाय लागत में 50% तक की संभावित बचत ने आर्थिक आत्मनिर्भरता की नींव भी रखी. इंदौर की यातायात व्यवस्था में इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस), सिर्फ तकनीकी रूप से आधुनिक नहीं, बल्कि समय, सुरक्षा और नियंत्रण की सोच का परिणाम है. साथ ही, डिजिटल पोर्टल, पेपरलेस बजट, और डिजिटल पते जैसे नवाचारों ने प्रशासन को पारदर्शी और मजबूत बनाया है.

### 'इंटर्नशिप विद मेयर' जैसी पहल

महापौर भार्गव ने मानवीय पक्ष पर भी विशेष ध्यान रखते हुए 'इंटर्नशिप विद मेयर' जैसी पहल से युवाओं को प्रशासन से जोड़कर नेतृत्व निर्माण की ओर अग्रसर होने का प्रयोग किया, जो भविष्य में सफल प्रशासन का अंग बनेंगे. ऐसे 1200 से अधिक छात्र इस व्यवस्था से लाभान्वित हुए हैं. इंदौर क्लाइमेट मिशन के तहत दो लाख यूनिट बिजली बचत और 'नो कार डे' जैसे प्रयास साबित करते हैं कि पर्यावरण सिर्फ भाषण का विषय नहीं, नीतिगत प्राथमिकता भी है. 'ऑन डिमांड वेस्ट कलेक्शन' जैसी नागरिक सुविधा के नवाचार को भी लागू किया हैं.

### हल निकालने की सकारात्मक सोच

उपरोक्त सभी कार्यों के पीछे सशक्त नेतृत्व, पारदर्शी शासन और सक्रिय जनभागीदारी. इंदौर अब केवल एक नगरपालिका नहीं, बल्कि विकास और नवाचार का मॉडल बन चुका है. यह यात्रा भविष्य में विजन 2047 की दिशा में पहला ठोस कदम साबित हो सकती है, जिसे देश के अन्य नगर निकाय भी अपना सकते हैं. आज इंदौर किसी भी नवाचार और आधुनिकता को जन भागीदारी से अपनाने को तैयार है, उसके पीछे महापौर का सीधा जनसंवाद और समस्या का हल निकालने के बारे में सकारात्मक सोच है.

### हुकुमचंद मिल के मजदूरों को भुगतान

लोकतंत्र की जड़ों को मज़बूत करने के लिए ज़ोन अध्यक्षों के चुनाव, अपील समितियों की स्थापना जैसे निर्णय प्रशासन को लोगों के और निकट लाने का काम किया हैं. इससे सत्ता के विकेंद्रीकरण में व्यवहारिक तौर पर धरातल में उतारा है. दशकों से लंबित हुकुमचंद मिल के मजदूरों को भुगतान, अतिक्रमित भूमि की वापसी, अवैध कॉलोनियों को बुनियादी सुविधाओं से जोड़ना ये सब सिर्फ समस्याओं का समाधान नहीं थे, बल्कि यह नगर निगम के प्रति जन विश्वास की पुनर्स्थापना थी.

### ठेकेदार के बिलों का भुगतान

राजस्व वसूली में 1000 करोड़ रुपए से अधिक की प्राप्ति, वन टाइम सेटलमेंट स्कीम, वर्षों से अटके ठेकेदार के बिलों का भुगतान समय अनुसार किया गया है. उक्त कार्य वित्तीय पारदर्शिता का ठोस सबूत है. स्काडा सिस्टम और ऑटोमेशन ने इंदौर को भविष्य की स्मार्ट सिटी की ओर अग्रसर किया है.

यातायात की महत्वपूर्ण अन्नपूर्णा-फूटी कोठी लिंक रोड और तिलक नगर-रिंग रोड कनेक्टिविटी सड़क योजनाएं वर्षों पुराने काम का समाधान बनी हैं. वहीं 'महापौर केसरी' दंगल का स्थानीय खेल और सांस्कृतिक चेतना आगे बढ़ाने का सफल प्रयास हैं.

## बिना अनुमति स्पीड ब्रेकर बनाने पर होगी कार्रवाई

▶ कलेक्टर ने जारी किए आदेश

नव भारत न्यूज

**इंदौर.** शहर में अब कहीं भी बिना अनुमति के स्पीड ब्रेकर नहीं बनाए जाएंगे. स्पीड ब्रेकर बनाने के लिए सड़क सुरक्षा समिति के अनुमति लेना अनिवार्य कर दिया गया है. बिना अनुमति के स्पीड ब्रेकर बनाने पर ठेकेदार कंपनी और इंजीनियर पर कार्रवाई होगी. साथ ही निर्माण राशि की वसूली और शासन का नियम तोड़ने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई अलग होगी। यह आदेश आज कलेक्टर ने दिए है.

कलेक्टर आशीष सिंह ने आज निर्देश दिए है कि जिले में सड़क सुरक्षा समिति की अनुमति लिए बगैर कहीं भी स्पीड ब्रेकर नहीं बनाए जाएं. उक्त निर्णय सड़क सुरक्षा समिति की पिछली बैठक में लिया गया था. बैठक में उक्त मामला सामने आया था कि शहर के विभिन्न मुख्य मार्गों पर सड़क सुरक्षा समिति की अनुमति के बिना विभिन्न विभागों के इंजीनियर द्वारा बगैर मापदण्ड, बगैर गुणवत्ता के स्पीड ब्रेकर बनाएं जा रहे हैं. इससे दुर्घटना की आशंका रहती है. उपरोक्त समस्या पर कलेक्टर ने निर्णय लेते हुए कहा कि संबंधित विभाग के इंजीनियर और एजेन्सी की आर्थिक अनियमितता मानते हुए राशि वसूल की जाएगी. साथ ही इंजीनियर के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएं. साथ ही कलेक्टर का उक्त आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है.

## बाबा महाकाल की पालकी निकली, गूंजे जयकारे

नव भारत न्यूज

**इंदौर. सोमवार को नेहरू नगर नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर से बाबा महाकाल की पालकी यात्रा का आयोजन किया गया. यात्रा के दौरान महाकाल के जयकारे गूंजते रहे. इस दौरान भक्त भजनों पर झूमने हुए भी नजर आए**

मंदिर में पूजन विधायक रमेश मेंदोला द्वारा किया गया. पालकी यात्रा एमआईजी थाने से होते हुए पाटनीपुरा जीण माता मंदिर, नेहरू नगर, अंबेडकर नगर होते हुए नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर पर पहुंची. यहां महाआरती कर समापन हुआ. यात्रा संयोजक सूरज रजक व नानू यादव ने आये सभी अतिथियों का स्वागत किया. करीब सौ मंचों से पालकी यात्रा का स्वागत किया गया.

## शहर की महिलाओं में बढ़ रहा ऑफ रोडिंग का शौक

▶ एडवेंचरस वूमेन ग्रुप ने किया राइड का आयोजन

नव भारत न्यूज

**इंदौर. एडवेंचरस वूमेन ग्रुप ने फ्रेंडशिप डे पर बायपास के नजदीक एडवेंचरस राइड का आयोजन किया. इसमें सभी सदस्यों ने एडेंचर राइड का मजा लिया.**

एडवेंचरस वूमेन ग्रुप के फाउंडर श्रेष्ठा गोयल ने बताया कि उनका ग्रुप समय-समय इंदौर के आसपास ड्राइविंग से रिलेटेड एक्टिविटीज करता है. खासकर महिलाओं में इस तरह के साहसिक ड्राइविंग ऑफरोडिंग का शौक बढ़ता जा रहा है. उन्होंने यह भी बताया कि इस संडे फ्रेंडशिप डे पर उन्होंने इंदौर बाईपास के नजदीक इस एडवेंचरस राइड का भरपूर मजा लिया और अपने एक दूसरे को कुछ नया करने के लिए प्रेरित भी किया. इस इवेंट में इंदौर ऑफ रोडिंग के शिरीष गोयल राहुल जी,

## रोटरी क्लब ऑफ इंदौर चोइथराम का इंस्टालेशन समारोह

**इंदौर. निजी पहोटल में रोटरी क्लब ऑफ इंदौर चोइथराम का इंस्टालेशन समारोह संपन्न हुआ. इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय उपस्थित थे.**

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि थे डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन सुशील मल्होत्रा तथा 2027-28 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन मुकेश साहू. इंस्टालेशन ऑफिसर की भूमिका में पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर कर्नल महेन्द्र मिश्रा ने अध्यक्ष व सचिव सहित बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स को शपथ दिलाई. मुख्य अतिथि मंत्री विजयवर्गीय जी ने क्लब की समाजसेवी गतिविधियों की सराहना की. इस अवसर पर सुखदेव सिंह घुम्मन ने एक ज़रूरतमंद परिवार को ई-रिक्शा उपहार में दिया और उस परिवार को भविष्य के लिए गोद लेने की घोषणा की. डॉ. तेजेश ए. मेहता द्वारा उनके आई डोनेशन प्रोजेक्ट में उत्कृष्ट कार्य करने वाले रोटरी क्लब्स को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया. नव-निर्वाचित अध्यक्ष अनुजा ताऊसे और सचिव कृतिका दुबे ने अपने बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के साथ समाज सेवा हेतु निष्ठा पूर्वक कार्य करने की शपथ ली. इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट के पब्लिक इमेज चेयरमैन घनश्याम सिंह का जन्मदिन भी मनाया गया. विशिष्ट अतिथयों में चोइथराम स्कूल प्रिंसिपल चित्रा कुलकर्णी, प्रख्यात हॉकी खिलाडी मीर रंजन नेगी, जिनेन्द्र जैन, धीरन दत्ता, अतुल गार्गव, अनीश मालिक, सत्यनारायण लाठी, डॉ अजित जैन, मनोहर देव, रमेश तिवारी उपस्थित रहे.

## अच्छे कर्म, सेवा परोपकार ही प्रभु का उत्तम सिमरन

▶ प्रभु का कीर्तन कर मनाया विश्व मित्रता दिवस

नवभारत न्यूज

**इंदौर. अच्छे कर्म, सेवा परोपकार ही प्रभु का उत्तम सिमरन है, आओ विश्व शांति के लिए अपना तिनका भर योगदान हम सभी दे.**

ये विचार गुरु गोबिंद सिंह स्टडी सर्किल इंदौर की अध्यक्ष दिलजीत कौर बिंद्रा के हैं, जो उन्होंने विश्व मित्रता दिवस के अवसर पर मेंबर्स को संबोधन करते हुए व्यक्त किए.

गुरु गोबिंद सिंह स्टडी सर्किल ने विश्व मित्रता दिवस गुरबाणी कीर्तन करके मनाया. सभी ने पहले पाठ और वाहेगुरु का जाप किया।

कीर्तन गायन करने वालो में दलजीत कौर बिंद्रा, पवनजीत कौर, हरविंदर कौर राखरा, इंदरजीत कौर, अगम सिंह, परविंदर कौर ने शब्द गायन किए. मानवता की सेवा करने की अरदास कुलवंत कौर चड्ढा ने की. संचालन रतनजीत सिंह शैरी ने किया। आभार माना रणजीत सिंह भाटिया ने.

## किताब इंडियन प्रिंसली स्टेटस का लोकार्पण

**इंदौर. जो राष्ट्र अपना इतिहास भूल जाता है उसका भविष्य भी उज्वल नहीं रहता. इस किताब के पत्रों में इतिहास की आवाज सुनाई देती है. इतिहास का बोलना सुखद है. उसी से हम जिंदा हैं. हमारे गुरुओं ने हमारे पूर्वजों ने जो कुछ कहा है वो हमारे लिए प्रेरणास्पद है.** ये बातें साहित्यकार राकेश शर्मा ने रीगल चौराहा स्थित कॉफी हाउस में वरिष्ठ लेखक लक्ष्मीकांत जैन की पहली किताब इंडियन प्रिंसली स्टेटस के लोकार्पण के अवसर पर कही.

समाजसेवी डा. अनुपमा जैन ने कहा कि पत्रों की महत्ता मोबाइल के दौर में आज भी कायम है. प्रशासनिक एवं न्यायिक कार्यों में लिखा हुआ ही प्रामाणिकता का आधार माना जाता है. कृतिकार लक्ष्मीकांत जैन ने कहा कि इस संग्रह में भारत की रियासतों द्वारा एक-दूसरे को लिखे गये 75 पत्रों को संकलित किया गया है. अतिथि परिचय डॉ. रवीन्द्र नारायण-पहलवान ने दिया. अतिथि स्वागत व्रजेन्द्र नागर, डॉ. शशि निगम, राज सांधेलिया ने किया. संचालन मुकेश इंदौरी ने किया. आभार संस्था सचिव रामनारायण सोनी ने माना.

इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. रवीन्द्र नारायण पहलवान, वाय के गुप्ता, डॉ. पी.के. माथुर, डॉ. जीडी अग्रवाल, ज्योति जैन, लता जैन, आर के गुप्ता, रशीद अहमद शेख, डॉ. मेजर गुप्ता, ललित भाटी, ओपी जोशी, राहुल जोशी, एस.पी.मोदी, भावना साहूकार, पीयुष गुप्ता, शरद तिवारी, कमल कासलीवाल आदि उपस्थित थे।

**संवाद कार्यक्रम** ▶ **वनबंधु परिषद, इंदौर चैप्टर द्वारा संवाद कार्यक्रम**

## ग्रामीण भारत के समग्र और सतत विकास को लेकर की चर्चा

नवभारत न्यूज

**इंदौर. वनबंधु परिषद, इंदौर चैप्टर द्वारा विकसित गाँव- विकसित देश, अब क्या विशेष? विषय पर एक संवाद कार्यक्रम का आयोजन डेली कॉलेज ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, किया गया. इस आयोजन का उद्देश्य था- ग्रामीण भारत के समग्र और सतत विकास को लेकर सामूहिक चिंतन और व्यवहारिक समाधान खोजना.**

प्रतिभागियों को पाँच विषयगत समूहों में बाँटा गया, जहाँ उन्होंने विभिन्न विषयों पर चर्चा की. विषयों पर चर्चा के दौरान निष्कर्ष निकला कि तकनीक और परंपरा के बीच संतुलन से गाँवों की पहचान बनी रह सकती है. वहीं, टेलीमेडिसिन, डिजिटल हेल्थ कार्ड और स्वास्थ्य शिक्षा पर ज़ोर दिया गया.

ग्रामीण पर्यटन, कृषि-स्टार्टअप्स और हस्तशिल्प को बढ़ावा देने के सुझाव मिले. आत्मनिर्भर भारत में गाँवों की केंद्रीय भूमिका को रेखांकित किया गया. डिजिटल स्किलिंग, महिला सशक्तिकरण व स्थानीय प्रशिक्षण केंद्रों की ज़रूरत पर बल दिया गया. विशेष अतिथि प्रो. रेखा आचार्य ने अपने प्रेरक वक्तव्य से सभी प्रतिभागियों को नई सोच अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया. सत्र मॉडरेटर्स पल्लव खंडेलवाल, विजय महनोत, सीए हिमांशु कंसल, वैभव खंडेलवाल, संध्या चौकसे, और राकेश जैन रहे. कार्यक्रम संयोजन व संचालन सीए ईशानी महेश्वरी और यश जायसवाल ने किया. डीसीबीएम डायरेक्टर डॉ. सोनल सिसोदिया और प्रो. तपस उपाध्याय के मार्गदर्शन में आयोजन को सुगठित स्वरूप मिला. एफटीएस युवा टीम की नीलम बाल्दी, प्रीति खंडेलवाल, नेहा अग्रवाल, मोनिका कंसल, रिधम तिवारी, प्रतीक खंडेलवाल, सुषमा खंडेलवाल, आयुष राजपूत और आयुष मूंदड़ा का योगदान विशेष रूप से सराहनीय रहा. इफोबींस के छात्रों की सक्रिय भागीदारी भी उल्लेखनीय रही.

### ▶ रचनात्मक सुझाव मिले

करीब 40 प्रतिभागियों ने इस संवाद में हिस्सा लिया, जिनमें यंग इंडियंस, भारतीय विकास परिषद, अभ्यास मंडल और आईएमए जैसे प्रतिष्ठित संगठनों के प्रतिनिधि भी शामिल थे. कार्यक्रम के सभी टेबल्स से व्यवहारिक और रचनात्मक सुझाव सामने आए. यह संवाद केवल एक विचार मंच न होकर, कार्यान्वयन की दिशा में उठाया गया एक ठोस कदम बन गया.